भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **4325**
दिनांक 18 जुलाई , 2019 / 27 आषाढ़, 1940 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई अड्डों से सिविल उड़ानों का प्रचालन नहीं होना

4325. श्री सुनिल बाबूराव मेंधे:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण(ए°ए°आई°) द्वारा कितने हवाई अड्डों की स्थापना की गई है जहां सिविल उड़ानों का वाणिज्यिक प्रचालन अभी तक आरंभ नहीं हुआ है और इनका उपयोग उड़ान प्रशिक्षण संस्थान के वायुयानों और विशिष्ट व्यक्तियों की यात्रा हेतु विमानों की लैंडिंग के लिए होता है;
(ख) महाराष्ट्र के ऐसे विमानपत्तनों के नाम क्या हैं जहां अभी तक उड़ानों का वाणिज्यिक प्रचालन आरंभ नहीं हुआ है;
(ग) क्या सरकार ऐसे हवाई अड्डों से उड़ानों के वाणिज्यिक प्रचालन आरंभ करने के लिए प्रयास कर रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के 15 हवाईअड्डे हैं जहां नागरिक उड़ानों का वाणिज्यिक प्रचालन अभी तक शुरू नहीं हुआ है और इसका उपयोग केवल उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों के विमानों के लैंडिंग के साथ-साथ विशिष्ट व्यक्तियों को ले जाने वाले विमानों के लिए किया जाता है।
(ख): महाराष्ट्र के अकोला, गोंदिया, जुहू (मुंबई) और शोलापुर हवाईअड्डों पर अभी तक वाणिज्यिक उड़ान प्रचालन शुरू नहीं हुआ है।
(ग) और (घ): साल में दो बार आयोजित होने वाली स्लॉट आवंटन समिति(SAC) की बैठक के दौरान, एयरलाइंस को प्रचालित हवाईअड्डों से अनुसूचित उड़ानों को शुरू करने के लिए अनुरोध किया जाता है, जहां कोई अनुसूचित उड़ानें नहीं चल रही हैं। तथापि, यातायात मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर एक विशिष्ट स्थान को एयर सेवा प्रदान करने के लिए यह एयरलाइन ऑपरेटर पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, नागर विमानन मंत्रालय ने वर्तमान में देश में विद्यमान असेवित/अल्प-सेवित हवाईअड्डों के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्कता को सस्ता/सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से अक्टूबर में 2016 क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना (आरसीएस) उड़ान उड़े देश का आम नागरिक शुरू की है। इस योजना की दूसरी बोली प्रक्रिया के दौरान, मेसर्स स्पाइसजेट को शोलापुर से बेंगलौर मार्ग अवार्ड किया गया है।

*****